an>

title: Need to exempt the Ph.D. applicants who have registered themselves between 2009 and 2015 from appearing in National Eligibility Test (NET) conducted by UGC.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विष्Âाय पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।

आपको जानकारी होनी चाहिए कि अभी हाल में ही केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री द्वारा यह घोÂषणा की गयी है कि वÂर्ष 2009 के पहले देश में पीएचडी हेतु रजिस्ट्रेशन प्राप्त अभ्यर्थियों को नेट परीक्षा में छूट दी जाएगी। नेट में छूट देने की बात की घोÂषणा केन्द्र सरकार ने की है। बिहार के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में पीएचडी हेतु यूजीसी नियमावली को वÂान 2009 में लागू नहीं कर, उसे वÂर्ष 2015 में लागू किया गया। इसके कारण वÂर्ष 2009 से 2015 के बीच लगभग 5,000 से भी ज्यादा छात्र पीएचडी किए हुए एवं रजिस्ट्रेशन प्राप्त ऐसे लोग भटक रहे हैं, जिनका भविÂष्य अधर में लटका हुआ है। आपको आश्चर्य होगा कि इनमें से अधिकांश लोग कमजोर आय वर्ग के हैं। बिहार सरकार बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों में यूजीसी नियमावली लागू कराने में पूर्णतः असफल रही है। बिहार सरकार के उदासीन रवैया के कारण विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षा का वातावरण पूर्णतः ध्वस्त हो गया है। इस कारण कई छात्र आत्महत्या करने को विवश हैं एवं बेरोजगारी के संकट से भी जूझ रहे हैं। हजारों छात्र बिहार से दिल्ली एवं अन्य राज्यों में पठन-पाठन हेतु पलायन करने को विवश हैं।...(व्यवधान)

माननीय सभापति: आप अपनी डिमाण्ड बोल दीजिए।

श्री अश्विनी कुमार चौबे: महोदय, एक मिनट समय दीजिए।

एक समय था जब बिहार के प्राचीन विक्रमशिला एवं नालन्दा विश्वविद्यालय में देश और दुनिया के लोग अध्ययन हेतु आते थे और वह शिक्षा का केन्द्र था।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : यह जीरो ऑवर है। आप अपनी डिमाण्ड मेंशन कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री अश्विनी कुमार चौबे: महोदय, आज वहां से हजारों छात्र पलायन कर रहे हैं। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह करूंगा कि जो उन्होंने वष्Âान 2009 की बात कही है, वÂर्ष 2009 से 2015 के बीच जो भी छात्र पीएचडी रजिस्टर्ड हैं या जिन छात्रों ने उपाधि लिया हो या रजिस्ट्रेशन प्राप्त किया हो, उनको नेट की छूट दी जाए। साथ ही, विक्रमशिला विश्वविद्यालय को अंतर्राÂष्ट्रीय विश्वविद्यालय के रूप में नालन्दा की तर्ज पर विकसित किया जाए। ...(व्यवधान)

माननीय सभापति : धन्यवाद।

â€¦(व्यवधान)

माननीय सभापति:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री सुधीर गुप्ता एवं

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी को श्री अश्विनी कुमार चौबे द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

I have to tell you one thing. Now, we have completed the 'Zero Hour' list which contains the names of 20 people. I am going to allow almost all the Members who are sitting here who wants to raise an issue. I would like to remind you one thing that you have to complete it within one minute.